Dainik Bhaskar (Indore), 08th June 2024, Page - 01

प्लेसमेंट में कमी से पिछड़ा आईआईटी इंदौर, 454 से 477वीं रैंक पर पहुंचा

क्यूएस रैंकिंग पहले स्थान पर आईआईटी बॉम्बे, दिल्ली दूसरे पर

भास्कर संवाददाता | इंदौर

तीन साल से आईआईटी इंदौर की क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग घट रही है। पिछले साल 454 के मुकाबले इस साल 477वीं रैंक मिली है। यह देश का इकलौता कॉलेज है, जिसकी रैंकिंग पिछले साल से घटी है।

तीन दिन पहले जारी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटीज रैंकिंग 2025 में दुनिया की 1500 से ज्यादा यूनिवर्सिटीज को रैंकिंग दी गई है। इसमें देश में सबसे पहला स्थान मिला है आईआईटी बॉम्बे को, जिसकी रैंक 118वीं है। इसके बाद आईआईटी दिल्ली 150वें स्थान पर है। इस साल आईआईटी इंदौर का ओवरऑल स्कोर 100 में से मात्र 25.1 रहा।

452 छात्रों में से सिर्फ 254 को कैम्पस प्लेसमेंट मिल पाया

रैंकिंग घटने का सबसे बड़ा कारण है आईआईटी इंदौर के प्लेसमेंट में कमी आना। एक आरटीआई के जवाब में आईआईटी इंदौर ने बताया कि 14 अप्रैल 2024 तक प्लेसमेंट के लिए आए 452 छात्रों में से सिर्फ 254 को नौकरी मिल सकी है। जून तक 275 छात्र प्लेस हो चुके थे। आईआईटी इंदौर के पीआरओ ने बताया कि प्लेसमेंट प्रक्रिया अभी भी चल रही है। कुछ छात्र प्लेसमेंट प्रक्रिया के लिए पंजीयन कराते हैं, लेकिन इंटरव्यू आदि में शामिल नहीं होते। 359 छात्र इनमें शामिल हुए, जिसमें से 275 यानी लगभग 77% छात्रों को नौकरी मिल चुकी है।

क्यूएस रैंकिंग के मापदंड

मापदंड	स्कोर
ओवरऑल	25.1
शैक्षणिक ओहदा (रेपुटेशन)	6.1
प्रति फैकल्टी साइटेशन	95.6
एम्प्लॉयमेंट आउटकम	2.2
एम्प्लॉयर रेपुटेशन	5
फैकल्टी - स्टूडेंट रेशो	27.1
इंटरनेशनल फैकल्टी रेशो	2.1
इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क	23.6
इंटरनेशनल स्टूडेंट रेशो	1:1
सस्टेनेबिलिटी	4.2

साइटेशन में मिले सर्वाधिक अंक

रैंकिंग के लिए जिन मापदंडों पर आंका जाता है, उसमें सस्टेनेबिलिटी, कॉलेज की छवि से लेकर विदेशी छात्रों तक के मापदंड शामिल हैं। इनमें आईआईटी इंदौर को सर्वाधिक 95.6 अंक फैकल्टी साइटेशन के लिए मिले। सबसे कम अंक अंतरराष्ट्रीय फैकल्टी की संख्या में मिले हैं।